



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 85]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 9, 2000/माघ 20, 1921

No. 85]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 9, 2000/MAGHA 20, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2000

संख्या 46 (आर. ई. -99)/1997-2002

का.आ. 116 (अ).—निर्यात और आयात नीति, 1997-2002 (31-3-99 तक किए गए संशोधन सम्मिलित) के पैरा 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की संख्या 22) की धारा-5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निर्यात और आयात नीति, 1997-2002 (31-3-99 तक किए गए संशोधन सम्मिलित) में निम्नलिखित संशोधन करती है : —

अधिसूचना संख्या 37(आर.ई. 99)/97-2002 दिनांक 1 दिसम्बर, 1999 के क्रम में निर्यात और आयात मदों, (1997-2002) के आई.टी.सी. (एच.एस.) वर्गीकरणों (31 अगस्त, 1998 तक के संशोधनों सहित) की अनुसूची-2, सारणी-ख में आई.टी.सी. (एच.एस.) कोड संख्या 0703 पर उल्लिखित प्रविष्टि में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे :

0703 प्याज—सरणीबद्ध—(1) अधिसूचना की तारीख से अगले दो महीनों हेतु 31-3-2000 तक सभी किस्मों के 1,00,000 मीट्रिक टन प्याज की कुल मात्रा का निर्यात करने की अनुमति होगी। कुल मात्रा 100,000 मीट्रिक टन में से निम्नलिखित एजेंसियों को नीचे उल्लिखित अनुसार मात्राओं का आवंटन किया जाएगा :—

(क) नैपेड को सीधे अथवा अपनी सहायक निर्यातक एजेंसियों के माध्यम से 50,000 मीट्रिक टन का निर्यात करने की अनुमति होगी। 50,000 मीट्रिक टन में से, नैपेड श्रीलंका, मारीशियस, मालदीव तथा अन्य सार्क देशों को 5,000 मीट्रिक टन का निर्यात करेगा।

(ख) कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद संसाधन और निर्यात निगम लि. (के.ए.पी.पी.ई.सी.) बंगलौर और कर्नाटक राज्य सहकारिता विपणन संघ लि. (के.एस.सी.एम.एफ.), बंगलौर, सीधे अथवा पंजीकृत निर्यातकों के माध्यम से, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी आवेदकों के साथ निष्पक्ष और समान बर्ताव किया जा रहा है, प्याज की सभी किस्मों का अलग-अलग 2500 मीट्रिक टन निर्यात करेंगी।

(ग) महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एम.एस.ए.एम.बी.) सीधे अथवा पंजीकृत निर्यातकों के माध्यम से, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी आवेदकों के साथ निष्पक्ष और समान बर्ताव किया जा रहा है, प्याज की सभी किस्मों का अलग-अलग 20,000 मीट्रिक टन निर्यात करेंगे।

(घ) गुजरात एगो उद्योग निगम (जी.ए.आई.सी.) सीधे अथवा पंजीकृत निर्यातकों के माध्यम से, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी आवेदकों के साथ निष्पक्ष और समान बर्ताव किया जा रहा है, प्याज की सभी किस्मों का अलग-अलग 15,000 मीट्रिक टन निर्यात करेंगी।

(ङ) आन्ध्र प्रदेश विपणन संघ (ए.पी. मार्क पैड) सीधे अथवा पंजीकृत निर्यातकों के माध्यम से, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी आवेदकों के साथ निष्पक्ष और समान बर्ताव किया जा रहा है, प्याज की सभी किस्मों का अलग-अलग 10,000 मीट्रिक टन निर्यात करेंगी।

- (2) समस्त निर्यातित प्याज पर नैफेड द्वारा निर्धारित न्यूनतम निर्यात मूल्य लागू होगा।
- (3) ऊपर उल्लिखित एजेंसियां सुनिश्चित करेंगी कि अब मंजूर की गई मात्राओं को निर्धारित समय यानि 31-3-2000 के भीतर निर्यात करना होगा।
- (4) प्याज का निर्यात करने के अनुज्ञा-पत्रों में दलाली को समाप्त करने के लिए निर्यातकों का सावधानीपूर्वक चयन किया जाता है।
- (5) एजेंसियां यह सुनिश्चित करेंगी कि प्याज की गुणवत्ता बनाए रखी जाए।
- (6) जारी किए गए अनुज्ञा-पत्रों की साप्ताहिक रिपोर्ट नैफेड को उपलब्ध कराई जाएगी जो कि प्याज के निर्यात के बारे में भारत सरकार को सूचित करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/91/162/430/ए एम-99/पी.सी.-3]

एन. एल. लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार और पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th February, 2000

No. 46 (RE-99) 1997-2002

S.O. 116(E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) read with paragraph 1.3 of the Export and Import Policy, 1997-2002 (incorporating amendment made upto 31.3.99), the Central Government hereby makes following amendments in the Export and Import Policy, 1997-2002: (Incorporating amendment made upto 31.3.99).

The following amendment shall be made in the entry at ITC(HS) Code No.0703 in ITC(HS) Classifications of Export and Imports items, 1997-2002, (Incorporating amendments made upto 31st August, 1998) at Schedule-2, Table-B in continuation to the notification no. 37(RE-99)/97-2002 dated 1st December, 1999.

0703 – Onion – Canalised – (i) A total quantity of 100,000 MT of all varieties of onion shall be allowed for exports for the next two months from the date of notification till 31.3.2000. Out of the total quantity of 100000 MT, the quantities shall be allocated to the following agencies as follows:

- a) NAFED is allowed to export 50000 MTs directly or through its associate shippers. Out of 50000 MT, NAFED will export 5000 MT to Srilanka, Mauritius, Maldives and other SAARC countries

- b) Karnataka State Agriculture Produce Processing and Export Corporation Ltd, (KAPPEC) Bangalore and Karnataka State Cooperative Marketing Federation Ltd, (KSCMF), Bangalore are allowed to export 2500 MTs each of all varieties of onions either directly or through registered exporters ensuring that all applicants are receiving a fair and equal treatment.
 - c) The Maharashtra State Agriculture Marketing Board (MSAMB) is allowed to export 20000 MTs of all varieties of onion each either directly or through registered exporters ensuring that all applicants are receiving a fair and equal treatment.
 - d) The Gujarat Agro Industries corporation (GAIC) is allowed to export 15000 MTs of all varieties of onion each either directly or through registered exporters ensuring that all applicants are receiving a fair and equal treatment.
 - e) The Andhra Pradesh Marketing Federation (AP MARK FED) is allowed to export 10000 MTs of all varieties of onion each either directly or through registered exporters ensuring that all applicants are receiving a fair and equal treatment.
- (ii) All onions exported will be subject to a Minimum Export Price (MEP) fixed by NAFED.
 - (iii) The agencies named above shall ensure that the quantities released now are to be exported within the time prescribed i.e 31.3.2000.
 - (iv) The careful selection of exporters is made to eliminate the trading in permits to export onions.
 - (v) The agencies shall ensure that quality of onions is maintained.
 - (vi) A weekly report of permits issued shall be provided to NAFED which shall act as a nodal agency to keep the Government of India informed of the outflows of onions.

This issues in public interest.

[F. No. 01/91/162/430/AM-99/PC-III]

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade and Ex-officio Addl. Secy.,

